संवाद पत्र पूर्वोत्तर सीमा रेल निर्माण संगठन

अंक 13 वर्ष : चतुर्थ त्रैमासिक जनवरी, 2010

महामहिम उप राष्ट्रपति द्वारा दिनांक 30.10.09 को रंगपो में सेवक-रंगपो नई लाइन का शिलान्यास

चित्र में बायें से : माननीय मुख्यमंत्री सिक्किम डा. पवन चामलिंग, महामहिम राज्यपाल सिक्किम श्री बाल्मीकि प्रसाद सिंह, महामहिम उप राष्ट्रपति श्री हामिद अंसारी, माननीया रेल मंत्री सुश्री ममता बनर्जी, महामहिम उप राष्ट्रपति की पत्नी श्रीमती सलमा अंसारी, माननीय जहाजरानी राज्य मंत्री श्री मुकुल राय एवं महाप्रबंधक/निर्माण श्री शिव कुमार शिलान्यास करते हुए

महामहिम उप राष्ट्रपति श्री हामिद अंसारी ने दिनांक 30.10.09 को रंगपो में सेवक-रंगपो नई लाइन का शिलान्यास महामहिम राज्यपाल, सिक्किम श्री बाल्मीकि प्रसाद सिंह, माननीया रेल मंत्री सुश्री ममता बनर्जी, माननीय मुख्यमंत्री सिक्किम डा. पवन चामलिंग, माननीय जहाजरानी राज्य मंत्री श्री मुकुल राय, महामहिम उप राष्ट्रपति की पत्नी श्रीमती सलमा अंसारी एवं अन्य गणमान्य अतिथियों की भव्य उपस्थिति में किया। सेवक-रंगपो नई लाइन परियोजना (52.70 कि.मी.) कुल 1339.48 करोड़ रूपए की अनुमानित लागत पर रेल बजट वर्ष 2008-09 (अनुपूरक) में स्वीकृत की गई है। यह लाइन सिक्किम राज्य को पहली रेल लिंक प्रदान करेगी जहाँ वर्तमान में कोई रेल लाइन नहीं है। रेल मंत्रालय के अधीन सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम इरकॉन को इस परियोजना को अगले पाँच वर्षों में निष्पादित करने हेतु सौंपा गया है।

श्री तरूण गोगोई, माननीय मुख्य मंत्री, असम द्वारा दिनांक 29.12.09 को कामाख्या स्टेशन से नई गाड़ियों का शुभारंभ

चित्र में बायें से : श्री शिव कुमार, महाप्रबंधक, पू.सी. रेल, श्रीमती विजया चक्रवर्ती, माननीया सांसद, श्री तरूण गोगोइ, माननीय मुख्य मंत्री असम तथा श्री वीरेंद्र प्रसाद वैश्य, माननीय सांसद गाड़ी को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते हुए

कामाख्या स्टेशन पर नए स्टेशन भवन एवं कोचिंग कॉम्प्लेक्स जिसमें आधुनिक तकनीक से निर्मित सिक लाइन शेड, दो पिट लाइन जिनमें 26 कोच की गाड़ी को समाहित करने की क्षमता है, का निर्माण निर्धारित समय में पूरा किया गया। दिनांक 29.12.09 को इस नव निर्मित कामाख्या स्टेशन पर आयोजित भव्य समारोह में माननीय मुख्य मंत्री असम, श्री तरूण गोगोई ने श्रीमती विजया चक्रवर्ती, माननीया सांसद, श्री वीरेंद्र प्रसाद वैश्य, माननीय सांसद, श्री शिव कुमार, महाप्रबंधक, पू.सी. रेल, रेल तथा राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारीगण, कर्मचारीगण एवं आम जनता की गरिमामयी उपस्थिति में कामाख्या-रांची एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 5761/5762) को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया । इसके अतिरिक्त माननीय मुख्य मंत्री ने डिब्रूगढ़-कामाख्या एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 5927/5928) तथा डिब्रूगढ़-यशवंतपुर एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 5901/5902) को इस स्टेशन से क्रमशः दिनांक 31.12.2009 और 01.01.2010 से शुभारंभ करने की घोषणा की। इस तरह से यह स्टेशन अब गुवाहाटी रेलवे स्टेशन पर भीड़-भाड़ की समस्या को काफी हद तक कम करने में सफल होगा।

संरक्षक	मुख्य संपादक	संपादक	सहयोग
श्री शिव कुमार	श्री बकरीदन	श्री जगन्नाथ	श्रीमती रंजु झा
महाप्रबंधक/निर्माण	मुख्य राजभाषा अधिकारी/नि	उप महाप्रबंधक/राजभाषा/नि	राजभाषा अधिकारी/नि

माननीया रेल मंत्री द्वारा किए गए शिलान्यास

1. माननीया रेल मंत्री सुश्री ममता बनर्जी ने दिनांक 04.10.09 को सिलिगुड़ी जंक्शन पर बहु-उद्देशीय कॉम्प्लेक्स का शिलान्यास किया एवं न्यू-जलपाईगुड़ी-दिघा एक्सप्रेस गाड़ी (साप्ताहिक) को झंडी दिखाकर रवाना किया। माननीय रेल मंत्री ने दिनांक 05.10.09 को सियालदह-न्यूजलपाईगुड़ी एक्सप्रेस गाड़ी (त्रि-साप्ताहिक) को झंडी दिखाकर रवाना किया।

2. माननीय रेल मंत्री ने दिनांक 29.10.09 को कूचबिहार में रिमोट कंट्रोल द्वारा रेल हैरिटेज म्यूजियम

का शिलान्यास किया तथा न्यू-कूचबिहार-कामाख्या इंटरसिटी एक्सप्रेस गाड़ी को न्यू-कूचबिहार स्टेशन से झंडी दिखाकर रवाना किया।

3. माननीया रेल मंत्री सुश्री ममता बनर्जी ने दिनांक 30.10.09 को माननीय जहाजरानी राज्य मंत्री श्री मुकुल राय, माननीया विधायक कार्सियांग श्रीमती शांता छेत्री एवं अन्य गणमान्य अतिथियों की भव्य उपस्थिति में सेवक में सेवक-रंगपो नई लाइन का शिलान्यास किया।

श्री ई. अहमद, माननीय रेल राज्य मंत्री का दौरा

श्री ई. अहमद, माननीय रेल राज्य मंत्री के साथ श्री शिव कुमार, महाप्रबंधक/निर्माण और श्री राधे श्याम, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण

माननीय रेल राज्य मंत्री, श्री ई.अहमद ने दिनांक 10.12.09 को पूर्वोत्तर सीमा रेल मुख्यालय का दौरा किया। इस अवसर पर श्री शिव कुमार, महाप्रबंधक/निर्माण ने पूर्वोत्तर सीमा रेल (निर्माण संगठन) की सभी चालू परियोजनाओं तथा सर्वेक्षण कार्यों की प्रगति एवं अन्य उपलब्धियों से उन्हें अवगत कराया। माननीय रेल राज्य मंत्री ने निर्माण संगठन के उत्कृष्ट कार्य-निष्पादन की प्रशंसा की।

हैबरगांव-मैराबाड़ी खण्ड का शुभारंभ

निरीक्षण के दौरान रेल संरक्षा आयुक्त, श्री बलवीर सिंह के साथ श्री श्याम सुंदर कालरा, मुख्य इंजीनियर/निर्माण-2

हैबरगांव से मैराबाड़ी (44 कि.मी.) तक रेल लाइन का आमान परिवर्तन के साथ पुन:स्थापन का कार्य पूरा करके इसका निरीक्षण रेल संरक्षा आयुक्त, पू.सी. परिमंडल, कोलकाता के द्वारा दिनांक 23.12.09 को कराया गया। इस खण्ड की निर्माण गुणवत्ता के फलस्वरूप रेल संरक्षा आयुक्त ने यात्री आवागमन के लिए अनुमेय गति, जो कि अधिकतम 75 कि.मी. प्रति घंटा है, से खोलने हेतु प्राधिकार प्रदान किया। ऐसा पहली बार हुआ है कि रेल संरक्षा आयुक्त ने किसी रेल खण्ड को निवेदित पूरी गति से गाड़ी चलाने की अनुमति पहले निरीक्षण के दौरान ही प्रदान कर दी। यह एक विशेष उपलब्धि है और यह निर्माण संगठन की उत्कृष्ट निर्माण गुणवत्ता को दर्शाता है।

इस खण्ड पर प्रथम यात्री गाड़ी (803/804) दिनांक 25.12.09 को चला कर इस खण्ड को यात्री सुविधा के लिए खोल दिया गया।

महाप्रबंधक का नव वर्ष संदेश

नव वर्ष 2010 के शुभ अवसर पर मैं पूर्वोत्तर सीमा रेल, निर्माण संगठन के सभी अधिकारियों, कर्मचारियों और उनके परिवारों को अपनी हार्दिक शुभकामनाएँ देता हूँ। मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि नव वर्ष हमारे संगठन और हम सब के लिए सुखमय और मंगलमय हो।

मुझे खुशी है कि हमारे संगठन ने पिछले वर्ष अपने सभी कार्य क्षेत्रों में अच्छी प्रगति की है और सभी परियोजनाओं को सफलतापूर्वक पूरा किया है। मुझे विश्वास है कि हमारा संगठन आगामी वर्ष में भी सभी परियोजनाओं को समय पर सफलतापूर्वक पूरा करने का प्रयास करेगा और हमारे सभी अधिकारी और कर्मचारी अपने-अपने कार्य क्षेत्रों में तत्परता और दृढ़ संकल्प से कार्य करते हुए इन्हें पूरा करेंगे। पूर्वोत्तर राज्यों में चल रही विभिन्न परियोजनाओं और उनसे संबंधित गतिविधियों की प्रगति के बारे में हम "संवाद पत्र" के माध्यम से जानकारी देते रहे हैं। संगठन के अधिकारियों और कर्मचारियों ने रचनात्मक क्षेत्र में भी काफी उत्साह दिखाया है। मुझे आशा है कि हमारे संगठन के अधिकारी और कर्मचारी "संवाद पत्र" के माध्यम से अपनी प्रतिभा को और भी उजागर करेंगे तथा इसमें अपना सहयोग देंगे।

इस "संवाद पत्र" का उद्देश्य संगठन के विभिन्न कार्य क्षेत्रों और इनकी प्रगति का समय-समय पर लेखा-जोखा प्रस्तुत करने के साथ-साथ राजभाषा के रूप में हिंदी का प्रचार-प्रसार करना भी रहा है। हमारे संगठन का राजभाषा विभाग भी भारत सरकार (गृह मंत्रालय) तथा रेल मंत्रालय द्वारा जारी राजभाषा नीति संबंधी आदेशों और निदेशों की भी जानकारी "संवाद पत्र" के माध्यम से देता रहा है और इसके अगले अंकों में भी यथासमय जानकारी देने का प्रयास किया जाएगा।

मैं पुनः आपके और आपके परिवार की समृद्धि की कामना करता हूँ।

क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की चौथी बैठक

श्री शिव कुमार, महाप्रबंधक/निर्माण की अध्यक्षता में दिनांक 28.12.2009 को इस वर्ष की चौथी बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें राजभाषा के प्रचार-प्रसार से संबंधित विभिन्न मदों पर विचार-विमर्श किया गया।

निर्माण संगठन वर्ष 2008-09 के लिए राजभाषा क्षेत्रीय पुरस्कार से पुरस्कृत

गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग के कार्यान्वयन कार्यालय (पूर्वोत्तर क्षेत्र), गुवाहाटी से प्राप्त सूचना के अनुसार पूर्वोत्तर क्षेत्र के कार्यालयों में पूर्वोत्तर सीमा रेल, निर्माण संगठन ने वर्ष 2008-09 के निष्पादन के आधार पर द्वितीय स्थान प्राप्त किया है। यह पुरस्कार क्षेत्रीय राजभाषा पुरस्कार सम्मेलन में भारत सरकार की ओर से इस कार्यालय को प्रदान किया जाएगा।

"विवाचन (Arbitration)" पर विशेष पाठ्यक्रम

विवाचन पाठ्यक्रम में श्री शिव कुमार, महाप्रबंधक/नि; श्री एम.एल. जंड तथा संगठन के अधिकारीगण

निर्माण संगठन ने हमेशा कार्य करते हुए सीखने की पद्धति को अपनाया है, इसी क्रम में दिनांक 03 एवं 04 नवम्बर, 2009 को "विवाचन" (Arbitration) पर दो दिवसीय विशेष पाठ्यक्रम का आयोजन किया गया। इस विषय पर श्री एम. एल. जंड, प्रोफेसर (सेवानिवृत्त), रेलवे स्टाफ कालेज, वडोदरा को आमंत्रित किया गया था। इस पाठ्यक्रम में अधिकारियों ने अतिरूचि दिखाई और इसमें कुल 41 अधिकारियों ने हिस्सा लिया। सभी भाग लेने वाले अधिकारियों को महाप्रबंधक/निर्माण द्वारा प्रमाण-पत्र भी दिए गए।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह

सतर्कता जागरूकता की शपथ दिलाते हुए श्री शिव कुमार, महाप्रबंधक/नि

पूर्वोत्तर सीमा रेल, निर्माण संगठन में दिनांक 3.11.09 से 7.11.09 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया गया जिसके दौरान सतर्कता जागरूकता से संबंधित बैनर, पोस्टर प्रदर्शित किए गए तथा दिनांक 3.11.09 को सतर्कता दिवस के अवसर पर निर्माण संगठन के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को श्री शिव कुमार, महाप्रबंधक/निर्माण, पूर्वोत्तर सीमा रेल ने शपथ दिलाई।

राष्ट्रीय परियोजनाएं

जिरिबाम से तुपुल तक नई बड़ी लाइन (98 कि.मी.)

कुल 98 कि. मी. में से 89 कि.मी. फाइनल लोकेशन सर्वे, 1071.35 हेक्टर भूमि में से 284.237 हेक्टर भू-अधिग्रहण, 328.5 लाख क्यूबिक मीटर में से 76.48 लाख क्यूबिक मीटर भू-कार्य, 10 अदद आर ओ बी/आर यू बी में से 2 अदद तथा 74 में से 14 छोटे पुलों की संचयी प्रगति हुई ।

जिरिबाम-इंफाल के हिल सेक्शन के भू-वैज्ञानिक चित्रण हेतु पूर्वोत्तर सीमा रेल (निर्माण) एवं भारतीय भू- वैज्ञानिक सर्वेक्षण, पूर्वोत्तर क्षेत्र के बीच एक सहमति पत्र हस्ताक्षरित किया गया है । इसके अतिरिक्त भू-भौतिकी एवं भू-वैज्ञानिक अन्वेषण, जैसा अनिवार्य समझा जाए, भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण के सहयोग से किया जाएगा। ऐसा *सर्वप्रथम पूर्वोत्तर सीमा रेल में किया जा रहा है ।*

दिमापुर से कोहिमा तक नई लाइन

0.00 कि.मी. से 52.00 कि.मी. तक फाइनल लोकेशन सर्वे का कार्य प्रगति पर है । कंक्रीट पिलरों द्वारा 0.00 कि.मी. से 4.5 कि.मी. तक एवं 7.0 से 16.0 कि. मी. तक सेंटर लाइन चिन्हित करने का काम पूरा किया गया। 6.00 कि.मी. से 7.00 कि. मी. तक सेंटर लाइन खूंटी लगा दिया गया है ।

मुख्य सचिव, नागालैंड एवं राज्य सरकार के प्राधिकारियों तथा रेलवे के बीच दिनांक 10-11-09 को कोहिमा में भू-क्षतिपूर्ति दर की समस्याओं के समाधान के लिए एक बैठक सम्पन्न हुई । अपर मुख्य सचिव एवं विकास आयुक्त, नागालैंड ने बैठक की अध्यक्षता की क्योंकि मुख्य सचिव किसी आवश्यक कार्य से दिल्ली गए थे ।

उक्त बैठक में अपर मुख्य सचिव ने यह टिप्पणी दी है कि इस परियोजना की भूमि दर काफी अधिक दर्शाई गई है एवं विकास परियोजना का विचार करते हुए उन्होंने सुझाव दिया है कि राज्य भू-अधिग्रहण अधिनियम का अनुसरण किया जाना चाहिए जिससे उचित दर निर्धारित की जा सके । बैठक के दौरान जैविक उद्यान की भूमि के मामले पर भी विचार-विमर्श हुआ।

मानसून के बाद एफ एल एस का कार्य पुनः शुरू किया गया है तथा 20 कि. मी. से 22.70 कि. मी. तक की स्थलाकृति तथा निर्देश पिलर लगाने का कार्य 42 कि. मी. से 52 कि. मी. तक पूरा कर लिया गया है।

आजरा से बरनीहाट तक नई बीजी लाइन (30 कि. मी.)

आजरा-बरनीहाट सेक्शन के मेघालय भाग में वशिष्ठ से बरनीहाट (12 कि.मी.) तक फाइनल लोकेशन सर्वेक्षण पूरा किया गया एवं आंशिक विस्तृत प्राक्कलन स्वीकृति हेतु रेलवे बोर्ड में प्रस्तुत किया गया । आजरा से वशिष्ठ (12 कि. मी.) तक असम भाग में एफ एल एस कार्य अनुमोदित संरेखण के विरोध में लोक प्रतिनिधित्व के कारण नवम्बर, 07 से स्थगित किया गया ।

राज्य सरकार ने दिनांक 18-09-09 के पत्र संख्या आर एल ए/2008/24 के तहत आजरा-बरनीहाट वैकल्पिक संरेखण की संभावना के अन्वेषण का सुझाव दिया है क्योंकि आजरा-बरनीहाट सेक्शन के लिए भू-अधिग्रहण से संबंधित गांवों के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति के अधिकांश परिवारों को अनैच्छिक रूप से विस्थापित करेगा।

लोंगीबिल रेल सह सड़क पुल

मुख्य पुल के दक्षिणी तट पर पीयर पी 4 से 41.1 मी. तक एवं पी 5, पी 6, पी 7 एवं पी 8 के वेल फाउंडेशन कास्टिंग का कार्य 44.1 मी. तक पूरा किया गया है। उपर्युक्त वर्णित 5 कुओं के लिए आवश्यक 293 आर एम कंक्रीटिंग एवं सिंकिंग में से 217.5 आर एम कंक्रीटिंग तथा 202.5 आर एम सिंकिंग की संचयी प्रगति हुई है । पीलपाया ए1 में 35.1 मी. कंक्रीटिंग तथा 32.1 मी. सिंकिंग, पीयर पी 1 पर 14.1 आर एम कंक्रीटिंग एवं 11.1 आर एम सिंकिंग पूरा किया गया। 30 क्यूबिक मीटर/घण्टे की क्षमता के दो बैचिंग प्लांट तथा दो क्रशर प्लांट कार्यस्थल पर कार्यरत हैं ।

सेवक से रंगपो तक नई बड़ी लाइन (52.7 कि.मी.)

1339.48 करोड़ रूपये की लागत वाला यह नया कार्य वर्ष 2008-09 के अनुपूरक बजट में स्वीकृत किया गया । फाइनल लोकेशन सर्वे का फील्ड कार्य पूरा कर लिया गया है । विस्तृत प्राक्कलन की तैयारी अंतिम चरण में है। निष्पादन हेतु परियोजना मेसर्स इरकॉन को सौंप दिया गया है। दिनांक 30.10.09 को महामहिम उपराष्ट्रपति महोदय एवं माननीया रेल मंत्री ने क्रमशः रंगपो एवं सेवक में परियोजना का शिलान्यास किया।

अगरतला से सबरूम तक नई बीजी लाइन (110 कि.मी.)

फाइनल लोकेशन सर्वेक्षण का कार्य तथा अगरतला से सबरूम तक कंक्रीट पिलरों को स्थापित कर संरेखण की भूमि पर स्टेकिंग का कार्य पूरा किया गया। अगरतला से उदयपुर तक वन भूमि को छोड़कर भूमि अधिग्रहण करने का प्रस्ताव राज्य सरकार को प्रस्तुत करते हुए कुल संचयी 260.71 हेक्टर (लगभग 44 कि. मी.) हुई। 174.55 हेक्टर (लगभग 28.96 कि. मी.) के लिए राज्य सरकार द्वारा अधिसूचना पहले ही जारी की जा चुकी है । कुल 46 कार्य स्थलों में भू-तकनीकी जाँच पूरी कर ली गई है । राज्य सरकार द्वारा रेलवे को 56.46 हेक्टर(लगभग 9.00 कि.मी. लम्बी) भूमि सौंप दी गई। दिनांक 29.07.09 को रेलवे बोर्ड ने अगरतला से उदयपुर तक 44 कि. मी. के लिए कुल 336.17 करोड़ रूपये का आंशिक विस्तृत प्राक्कलन स्वीकृत किया। 0 किमी से 44 कि.मी तक भू-कार्य तथा छोटे पुलों के लिए ठेका प्रदान कर दिया गया। दिनांक 8.10.09 से भू-कार्य प्रारंभ किया गया तथा माह के दौरान 90,000 क्यूबिक मी. भू-कार्य पूरा किया गया। बड़े पुलों के लिए तीन निविदाएँ खोली गई जिसमें से एक को अंतिम रूप दिया गया तथा शेष दो अंतिम चरण में हैं।

सैरवी से साईरंग तक नई बड़ी लाइन (51.38 कि.मी.)

0.0 से 9.0 कि. मी. के बीच एफ एल एस कार्य शुरू किया जा चुका है। 0.00 से 6.50 कि.मी. के बीच आर-पार एवं समतलीकरण का कार्य पूरा किया गया। 0.00 से 4.00 कि. मी. के बीच स्थलाकृति पूरी की गई। सितम्बर, 2009 के अन्तिम सप्ताह में मेसर्स राइट्स को 6 कार्यस्थलों पर 6 सर्वेक्षण दल तैनात करने के लिए अनुरोध किया गया है।

रंगिया-मुकोंगसेलेक आमान परिवर्तन लिंक किंग्सर सहित (510.33 कि.मी.)

कुल 56.85 लाख क्यूबिक मीटर में से 9.396 लाख क्यूबिक मीटर भू-कार्य, 46.88 कि.मी. में से 6.2 कि. मी. का गठन, 660 छोटे पुलों में से 93 एवं 208 बड़े पुलों में से 36 की उप संरचना एवं 22000 क्यूबिक मीटर गिट्टी आपूर्ति की संचयी प्रगति रही। नॉर्थ लखीमपुर स्टेशन पर इंजन रिवर्सल को दूर करने के लिए प्रस्तावित अवपथन संरेखण के लिए नॉर्थ लखीमपुर-लीलाबाड़ी स्टेशन के बीच भू-अधिग्रहण हेतु राजस्व अधिकारी के साथ संयुक्त भू-सर्वेक्षण पूरा किया गया। सायरमली रेलवे वर्कशॉप को तीन पुलों (45.72 मी. के 13 स्पान) के स्टील गर्डरों एवं एक पुल (30.50 मी. के 4 स्पान) के संरचना कार्य का आदेश दे दिया गया है एवं संरचना प्रगति पर है।

लमडिंग-सिलचर-जिरिबाम, चंदरपुर से बराईग्राम एवं बराईग्राम से कुमारघाट का आमान परिवर्तन (367.79 कि.मी.)

कुल संचयी प्रगति 652.93 लाख क्यूबिक मीटर भू-कार्य में से 589.30 लाख क्यूबिक मीटर, 377.56 कि.मी. में से 301.02 कि.मी. का गठन, 10,675 मीटर में से 4892.60 मीटर सुरंग, 1222 मीटर में से 425 मीटर कट एंड कवर, बड़े पुलों के 95 अदद में से 59 की उप संरचना और 130 अदद में से 36 की अधिसंरचना, 661 में से 576 छोटे पुलों, 9.07 लाख क्यूबिक मीटर में से 3.69 लाख क्यूबिक मीटर गिट्टी आपूर्ति, 379.00 कि.मी. ट्रैक लिंकिंग में से 44.40 कि.मी. ट्रैक लिंकिंग एवं 506.79 हेक्टर में से 491.443 हेक्टर भूमि अधिग्रहण की संचयी प्रगति रही ।

वित्तीय निष्पादन 2009-2010

2009-2010 का परिव्यय

- रेलवे बजट = 751.04 करोड़ रूपये
- अतिरिक्त बजटीय सहयोग = 879.78 करोड़ रूपये
- निक्षेप कार्य (रक्षा मंत्रालय) = 2.78 करोड़ रूपये

कुल = 1633.60 करोड़ रूपये

खर्च 2009-2010

- नवम्बर, 09 के दौरान खर्च = 127.68 करोड़ रूपये
  + 0.21 करोड़ रूपये (निक्षेप कार्य)

कुल = 127.89 करोड़ रूपये

- नवम्बर, 09 तक संचयी खर्च (लगभग) = 890.68 करोड़ रूपये
  + 1.50 करोड़ रूपये (निक्षेप कार्य)

कुल = 892.18 करोड़ रूपये

परिव्यय का खर्च (%) = 54.61 %

यातायात सुविधा

	प्रगति	लक्ष्य
♦ कामाख्या स्टेशन में कोचिंग की सुविधा (फेस-II)	कार्य पूरे किए गए।	

वर्कशॉप

	प्रगति	लक्ष्य
♦ किशनगंज- ट्रेन परीक्षण केंद्र	90 %	दिसम्बर, 09
♦ न्यू बंगाईगांव-आर.सी.सी. बाउंड्री वॉल	72 %	नवम्बर, 09
♦ कामाख्या में कोच रख-रखाव के लिए अधिसंरचना का विकास(फेस-II)	92 %	जनवरी, 10

वर्ष 2009-2010 में लक्ष्य निर्धारित परियोजनाओं की स्थिति

	प्रगति	लक्ष्य
♦ फकीरागाम से धूबड़ी 66 कि.मी.(आमान परिवर्तन)	98.95 %	मार्च,10
♦ मालदा टाउन-ओल्ड मालदा टाउन (0.4 कि.मी.) दोहरीकरण	54.32 %	मार्च, 10
♦ न्यू गुवाहाटी-डिगारू (29.814 कि.मी.) दोहरीकरण	38.80 %	मार्च, 10

सिगनल एवं दूरसंचार निर्माण कार्य

	प्रगति	लक्ष्य
♦ पानीतोला-डिब्रूगढ़ टाऊन : स्टन्डर्ड III पेनेल इन्टरलाकिंग तथा एम.ए.सी.एल द्वारा सिगनलों का पुन:स्थापन (राजधानी मार्ग, 5 स्टेशन)।	पानीटोला से लाडोगाल तक 4 स्टेशनों में चालू किया गया ।	31.12.09
♦ बंगाईगांव-चांगसारी : पॉइन्ट्स तथा सिगनलों का केन्द्रीकृत परिचालन द्वारा भीतरी सिगनलिंग गियरों का पुन:स्थापन (इलेक्ट्रानिक इन्टरलॉकिंग) (14 स्टेशनों में)	दिनांक 29.09.09 को रंगिया में चालू किया गया। इसके साथ ही इस सेक्शन के सभी 14 स्टेशनों में चालू किया गया।	कार्य पूरा हुआ।
♦ लामडिंग मंडल : सिगनलिंग तथा टेलीकॉम गियरों का पेनेल इन्टरलॉकिंग द्वारा पुन:स्थापन (3 [तीन] केबिनों में)	लामडिंग में छोटी लाइन को बड़ी लाइन में परिवर्तन के कार्य लामडिंग में आमान परिवर्तन कार्य के साथ इस कार्य को निष्पादित करने का निर्णय लिया गया था। परन्तु ओपन लाइन ने इस कार्य को बन्द करने का सुझाव दिया है।	मार्च, 10

चालू सर्वेक्षण

क्रम सं	सर्वेक्षण का नाम	स्वीकृति वर्ष	राज्य	प्रगति	पूरा करने की लक्ष्य तिथि
1.	जोगबनी से विराटनगर तक नई लाइन	2008-09	बिहार	100%	सितम्बर, 2009 में पूरा किया गया।
2.	हासिमारा से फुंत्सोलिंग तक नई लाइन	2004-05	पश्चिम बंगाल तथा भूटान	50%	31-03-2010
3.	कलियागंज से बुनियादपुर तक नई लाइन	2009-10	पश्चिम बंगाल	100%	अक्टूबर, 2009 में पूरा किया गया।
4.	सम्सी से डालखोला तक नई लाइन	2009-10	पश्चिम बंगाल	80%	इटाहार-रायगंज सेक्शन नवम्बर, 2009 में पूरा किया गया।
5.	बालूरघाट-से हिल्ली तक नई लाइन	2009-10	पश्चिम बंगाल	100%	अक्टूबर, 2009 में पूरा किया गया।
6.	चाल्सा से जालढाका तक नई लाइन	2009-10	पश्चिम बंगाल	100%	दिसम्बर, 2009 में पूरा किया गया।
7.	दुलभछेरा से येराजी तक नई लाइन	2009-10	असम	30%	31.03.2010

कौमी एकता सप्ताह

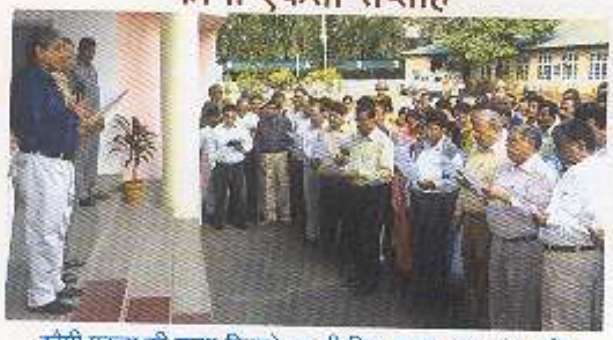

कौमी एकता की शपथ दिलाते हुए श्री शिव कुमार, महाप्रबंधक/नि

दिनांक 19.11.09 को पूर्व प्रधान मंत्री स्वर्गीय इन्दिरा गांधी के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में श्री शिव कुमार, महाप्रबंधक/निर्माण ने संगठन के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को शपथ दिलाई। इस अवसर पर दिनांक 19.11.09 से 25.11.09 तक साम्प्रदायिक सदभावना सप्ताह मनाया गया। दिनांक 25.11.09 को "झंडा दिवस" मनाया गया और इस अवसर पर निर्माण संगठन के अधिकारियों और कर्मचारियों से 7000/- रूपए की राशि एकत्रित की गई तथा इस राशि को सचिव, "नेशनल फाउंडेशन फॉर कम्युनल हॉर्मोनी", नई दिल्ली को भेजा गया।

भारत रत्न, बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर का 53 वाँ महापरिनिर्वाण दिवस समारोह

भारत रत्न, बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के 53 वें महापरिनिर्वाण दिवस (06 दिसम्बर) के अवसर पर श्रद्धांजलि समारोह 07 दिसम्बर, 2009 को पूर्वोत्तर सीमा रेल, निर्माण संगठन कार्यालय के मुख्य भवन के प्रांगण में श्री शिव कुमार, महाप्रबंधक/निर्माण की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। इस अवसर पर दीप प्रज्ज्वलित कर श्री शिव कुमार, महाप्रबंधक/निर्माण ने बाबा साहेब के चित्र पर पुष्प चढ़ाकर श्रद्धांजलि अर्पित की। उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी पुष्पांजलि देकर बाबा साहेब को याद किया।

पदस्थापन

1. श्री अनिल कुमार, कार्यकारी इंजीनियर/नि/मालीगांव ने पदोन्नति पर दिनांक 26.11.09 को उप मुख्य इंजीनियर/नि/सिलचर-2 का पदभार ग्रहण किया।
2. श्री एस. के. भट्टाचार्य, कार्यकारी इंजीनियर/नि/लमडिंग ने पदोन्नति पर दिनांक 26.11.09 को उप मुख्य इंजीनियर/नि/लमडिंग -2 का पदभार ग्रहण किया।
3. श्री एम.सी. गोस्वामी, कार्यकारी इंजीनियर/नि/वर्क्स/ मालीगांव ने पदोन्नति पर दिनांक 26.11.09 को उप मुख्य इंजीनियर/नि/सिलचर-3 का पदभार ग्रहण किया।

स्वागत

1. श्रीमती रंजु झा, राजभाषा अधिकारी, रंगिया मंडल, पूर्वोत्तर सीमा रेल ने दिनांक 21.10.09 को राजभाषा अधिकारी/नि का पदभार ग्रहण किया।

2. श्री पी. के. सिंह, उप मुख्य कार्मिक अधिकारी/पूर्वोत्तर सीमा रेल (ओपन लाइन) ने दिनांक 19.11.09 को उप मुख्य कार्मिक अधिकारी/नि/मालीगांव का पदभार ग्रहण किया।

3. श्री ओम प्रकाश ने दिनांक 25.11.09 को मुख्य सिगनल एवं दूर संचार इंजीनियर/ नि/1 का पदभार ग्रहण किया।

4. श्री जगन्नाथ ने राइट्स लिमिटेड गुड़गांव से रेलवे में वापस आने पर दिनांक 01.12.09 को उप महाप्रबंधक/राजभाषा/नि का पदभार ग्रहण किया।

5. श्री एन. ब्रह्म, वरिष्ठ मंडल इंजीनियर, पूर्वोत्तर सीमा रेल, मालीगांव ने दिनांक 7.12.09 को उप मुख्य इंजीनियर/ निर्माण/ अभिकल्प-2 का पदभार ग्रहण किया।

6. श्री रवि अमरोही, उप मुख्य इंजीनियर/पुल/ मालीगांव, पू.सी. रेल स्थानांतरण पर उप मुख्य इंजीनियर/नि/निविदा के पद पर पदस्थापित हुए।

स्थानांतरण

1. श्री एस.पी. शुक्ल, राजभाषा अधिकारी/नि./मालीगांव का दिनांक 21.10.09 को रंगिया मंडल में स्थानांतरण हुआ।
2. श्री एस. बेहेरा, उप मुख्य कार्मिक अधिकारी/नि./मालीगांव का दिनांक 19.11.09 को मुख्यालय ओपन लाइन में स्थानांतरण हुआ।
3. श्री राजेश कुमार, उप मुख्य इंजी./नि/सिलचर-2 का दिनांक 26.11.09 को उत्तर रेलवे में स्थानांतरण हुआ।
4. श्री एफ.एस. मीणा, उप मुख्य इंजी./नि/लामडिंग-1 का दिनांक 26.11.09 को उत्तर रेलवे में स्थानांतरण हुआ।
5. श्री एम.वी. डकाटे, उप मुख्य इंजी./नि/सिलचर का दिनांक 26.11.09 को मध्य रेल में स्थानांतरण हुआ।
6. श्री एस.पी. सिंह, उप मुख्य इंजी./नि/अभिकल्प-2 का दिनांक 07.12.09 को पूर्वोत्तर सीमा रेल (ओपन लाइन) में वरिष्ठ मंडल इंजीनियर के पद पर स्थानांतरण हुआ।
7. श्री ए. प्रधान, उप मुख्य इंजी./नि/निविदा का दिनांक 22.12.09 को उप मुख्य इंजी./नि/लामडिंग-2 के पद पर स्थानांतरण हुआ।
8. श्री एस.पी. सिंह, व.मंडल इंजी (सी), मालीगांव पू.सी.रेल. का दिनांक 29.12.09 को उप मुख्य इंजी./नि/एनजेपी के पद पर स्थानांतरण हुआ।
9. श्री सुनील सिंह, महाप्रबंधक/नि के सचिव का दिनांक 29.12.09 को व.मंडल इंजी.(सी)/ पू.सी.रेल के पद पर स्थानांतरण हुआ।
10. श्री एस. प्रभु, उप मुख्य इंजी./नि/एनजेपी का दिनांक 29.12.09 को उप मुख्य इंजी./नि/डीबीआरटी/2 के पद पर स्थानांतरण हुआ।
11. श्री एम.वी. प्रसाद, उप मुख्य इंजी./नि/डीबीआरटी/2 का दिनांक 29.12.09 को उप मुख्य इंजी./नि/अगरतला के पद पर स्थानांतरण हुआ।
12. श्री शैलेंद्र प्रसाद, उप मुख्य इंजी./नि/अगरतला का दिनांक 29.12.09 को उप मुख्य इंजी./नि/योजना के पद पर स्थानांतरण हुआ।

हिंदी पत्र की आत्मकथा

- जगन्नाथ
उप महाप्रबंधक (राजभाषा)
पूर्वोत्तर सीमा रेल/निर्माण

देश की आज़ादी से पहले देशी-विदेशी शासकों ने मेरे साथ जो कुछ किया उसे तो मैंने भी उसी तरह भुला दिया था जिस तरह स्वतंत्रता सेनानियों ने अँग्रेज़ शासकों द्वारा दी गई यातनाओं और कष्टों को आज़ादी के बाद भुला दिया था।

देश की आज़ादी के साथ मैंने भी सपने संजोए थे कि देश के प्रशासन में, समाज में और हर क्षेत्र में मेरा भी सम्मान होगा, लोग मुझे अपनाएंगे। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इस आज़ाद भारत में अब जो कुछ मेरे साथ हो रहा है उससे मुझे बहुत दुःख होता है। अब न तो मैं कराह सकता हूँ, न आह भर सकता हूँ। आखिर अब मैं अपना दुःख रोऊँ भी तो किसके सामने। कष्ट पहुँचाने वाले और मेरा अपमान करने वाले भी तो अपने ही हैं। मुझे दिल से शायद ही कोई चाहता है। जो थोड़े-बहुत लोग मुझे चाहते भी हैं, उन पर अँग्रेज़ीदां लोगों का दबाव है क्योंकि वे उनके मातहत काम करते हैं। वे चाहते हुए भी मुझ से कतराने लगते हैं। सरकारी दफ्तरों में तो मेरा और भी बुरा हाल है। डाक फोल्डर में मुझे अँग्रेज़ी पत्रों के नीचे दबाकर रखा जाता है। अँग्रेज़ी पत्रों से प्रेम करने के बाद जब मेरा नंबर आता है तब तक अधिकारी महोदय ऊब जाते हैं और मुझे ऐसे देखते हैं जैसे किसी अनचाहे बच्चे को देखा जाता है। मेरी आत्मा क्या कहती है, इससे कुछ लेना-देना नहीं।

दस्तख़त के नाम पर मुझ पर वे आँख बंद करके ऐसे कलम चलाते हैं जैसे कोई जज किसी अपराधी को सज़ा दे रहा हो और उसे बता रहा हो कि उसने उस पर बड़ी कृपा की है। बाबू के पास आकर मैं ऐसे पड़ा रहता हूँ जैसे लावारिस और अनाथ बच्चा। बड़े गुस्से से वे मुझे अपनी फाइल में दबोच देते हैं और मुझे पत्र न समझ कर बिच्छू समझने लगते हैं, जैसे कि हाथ लगाते ही मैं उन्हें डंक मार दूँगा। मैं क्या चाहता हूँ, उन्हें इसकी कोई परवाह नहीं। वे मुझे इस तरह भूल जाते हैं जैसे कुछ मनचले लोग रखैल के सामने पत्नी को भुला देते हैं। मेरी तलाश वे तब करते हैं जब मेरा छोटा भाई (रिमांइडर) उनकी फाइल में आकर चिल्लाने लगता है। मेरे छोटे भाई के बताने पर भी वे यह नहीं मानते कि मैं भी उनकी फाइल में दबा बैठा हूँ। जब मेरा तीसरा भाई आ जाता है तो उन्हें गुस्सा आ जाता है और बिना सोचे-समझे ही अँग्रेज़ी में लिख देते हैं कि मैं उनके यहाँ पहुँचा ही नहीं हूँ। बस, इतना करके वे मुझ से पीछा छुड़ा लेते हैं और अहसान भी जताते हैं।

मुझे बनाने वाले भी अजीब हैं। कोई तो पहले अँग्रेज़ी में सोचता है और फिर मेरी भावना का बखान हिंदी में करता है। कोई अँग्रेज़ी में लिख कर मुझे हिंदी में अनुवाद करके लिखने की कोशिश करता है। भला अँग्रेज़ी पत्र के भाव को पूरी तरह मेरे भाव में कोई प्रकट कर सकता है? शायद नहीं, क्योंकि एक अँग्रेज़ी माँ भारतीय माँ का स्थान नहीं ले सकती है। थोड़े बहुत लोग हैं जो मुझे मेरी भावना के अनुरूप ही बनाते हैं, परन्तु वे अपना पांडित्य दूसरों को दिखाने के लिए मुझ में चुन-चुनकर ऐसे क्लिष्ट शब्द भर देते हैं कि मैं खुद अपने भावों में उलझ जाता हूँ और पढ़ने वाले को यह नहीं बता पाता कि मैं क्या चाहता हूँ।

मेरी पैदावार बढ़ाने के लिए सरकार ने कई कानून बनाए, जिनमें एक कानून यह भी बनाया कि मेरे प्रेम का इज़हार दूसरा भी मेरी ही भाषा में करेगा। लेकिन इस कानून को कौन मानता है? इसके उल्लंघन के लिए कोई सजा नहीं दी जाती है। फिर मेरा इस्तेमाल करके वे अपनी नाक क्यों नीची करवाएँ। मुझे तो लोग तभी अपनाते हैं जब मेरे बगैर उनका अपना निजी काम बिगड़ता है या रूक जाता है। हर साल सरकार मेरी उपज का प्रतिशत निश्चित करती है। यह प्रतिशत पूरा हो या न हो, इससे किसी को कुछ लेना-देना नहीं है, क्योंकि मेरा आयात नहीं किया जा सकता है। अँग्रेज़ी के बल पर रोजी-रोटी कमाने वाले लोग मेरे साथ वैसा ही सलूक करते हैं जैसा दक्षिण अफ्रीका में अँग्रेज़ों ने गाँधी जी के साथ किया था। जो लोग मुझे पनपते हुए और फलते-फूलते नहीं देखना चाहते, वे मुझे विदेशी समझते हैं। मुझे अपने ही भारत में बहुत ही हीन दृष्टि से देखा जाता है। बाबू लोग मुझे अपने लिए सिरदर्द और अफसर लोग मुझे कबाब में हड्डी समझते हैं । अँग्रेज़ी संस्कारों में पली-पढ़ी महिलाएँ मुझसे ऐसे घृणा करती हैं जैसे कोई औरत अपने तलाक-शुदा पति से करती है।

वैसे तो इस देश में मेरा भविष्य अंधकार में डूबा हुआ है। परन्तु प्रेम पत्र के रूप में मेरा प्रयोग करके प्रेमी-प्रेमिकाएँ मेरे जीवन में नई उमंग जरूर भर देते हैं और मेरी निराशा को आशा में बदल देते हैं। सरकारी दफ्तरों में तो प्रेम पत्रों का प्रचलन भी नहीं हैं। इसलिए यहाँ मेरे अस्तित्व को खतरा बना रहता है। कितना अच्छा हो यदि सरकारी दफ्तरों में लोग सरकारी पत्रों को प्रेम पत्रों के रूप में लिखना अपना सरकारी धर्म बना लें और मेरी संख्या उसी तरह बढ़ाएँ, जिस तरह अपनी जनसंख्या बढ़ा रहे हैं।

(रेल राजभाषा से साभार)

राजभाषा नीति का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए महाप्रबंधक/निर्माण के विशेष निदेश

जैसा कि आप जानते हैं कि हमारा निर्माण संगठन 'ग' क्षेत्र में स्थित है और भारत सरकार, गृह मंत्रालय (राजभाषा विभाग) तथा रेल मंत्रालय द्वारा समय-समय पर जारी आदेशों/अनुदेशों को अपने संगठन में क्रियान्वित करना अनिवार्य है। इसके अलावा राजभाषा अधिनियम, राजभाषा नियमों का अनुपालन करना और वार्षिक कार्यक्रम में दिए गए लक्ष्यों के अनुसार राजभाषा हिंदी में काम करने के लिए सभी स्तर पर कार्रवाई अपेक्षित है । इसे ध्यान में रखते हुए इस संगठन में निम्नलिखित निदेश जारी किए जा रहे हैं जिनका अनुपालन सभी अधिकारी/कर्मचारी सुनिश्चित करें ।

1. राजभाषा अधिनियम की धारा 3 (3) के अनुपालन में इस धारा में बताए गए सभी कागजात द्विभाषी रूप में हिंदी एवं अंग्रेजी में साथ-साथ जारी किए जाएँ और उनकी एक प्रति राजभाषा अनुभाग को भिजवाएँ । इसकी जिम्मेवारी इन दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करने वाले अधिकारी की है ।
2. राजभाषा नियम 5 के अनुसार कहीं से भी प्राप्त हिंदी पत्रों का उत्तर केवल हिंदी में ही दिया जाए।
3. वार्षिक कार्यक्रम में निर्धारित लक्ष्यों के अनुसार 55 प्रतिशत मूल पत्राचार हिंदी में किया जाए और इसके लिए सामान्य पत्रों के हिंदी ड्राफ्ट तैयार कराएँ जाएँ ।
4. 'क' और 'ख' क्षेत्रों की राज्य सरकारों और अन्य गैर सरकारी व्यक्तियों को 85 प्रतिशत पत्र हिंदी में भेजे जाएँ ।
5. सभी अधिकारीगण कुल डिक्टेशनों का कम से कम 20 प्रतिशत डिक्टेशन हिंदी में दें ।
6. अधिकारीगण डाक फोल्डर में आए सभी पत्रों पर अपनी टिप्पणियाँ/अभ्युक्तियाँ यथासंभव हिंदी में दें और हिंदी में हस्ताक्षर करने का प्रयास करें ।
7. सभी अधिकारी/कर्मचारी फाइलों पर कम से कम 30 प्रतिशत नोटिंग हिंदी में करें और हिंदी की नोटिंग पर आगे कार्रवाई के लिए नोटिंग भी हिंदी में ही करने की कोशिश करें ।
8. राजभाषा नियम 11 के अनुसार स्टेशनरी का सभी सामान अर्थात रजिस्टर, फाइल कवर, रबड़ स्टेम्प, डाक फोल्डर, नोटिंग पैड, डी ओ लेटर हैड, नाम/पदनाम पट्ट आदि द्विभाषी रूप में बनवाएं/छापवाएं ।
9. रोजमर्रा इस्तेमाल होने वाले सभी फार्म द्विभाषी रूप में तैयार कराए जाएँ ।
10. प्रशिक्षण के लिए शेष बचे अधिकारियों/कर्मचारियों को अपेक्षित हिंदी भाषा/हिंदी टंकण (कम्प्यूटर पर)/हिंदी आशुलिपि का प्रशिक्षण शीघ्र दिलाए जाएँ ।

अनुरोध है कि सभी विभागाध्यक्ष अपने विभागों में उपर्युक्त निदेशों का अनुपालन सुनिश्चित कराएँ और स्वयं भी हिंदी में काम करने की पहल करके सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को हिंदी में काम करने के लिए प्रोत्साहित एवं प्रेरित करें ।

बधाई/शुभकामनाएँ

अधिकारियों को जन्म दिवस पर हार्दिक बधाई

1 जनवरी, श्री मदन सेन, मुख्य इंजीनियर/नि/6
1 जनवरी, श्री के.वी. वाईपेई, वित्त सलाहकार एवं म. ले. अधिकारी/नि/1
2 जनवरी, श्री सोनेलाल, उप मुख्य परिचालन प्रबंधक/नि
3 जनवरी, श्री एस. के. बर्नवाल, उप मुख्य इंजीनियर/नि/सिलापथार-1
1 फरवरी, श्री ए. कचारी, उप मुख्य इंजीनियर/नि/सिलापथार-2
1 फरवरी, श्री ए.के. दास, उप मुख्य सिगनल एवं दूर संचार इंजीनियर/नि
1 मार्च, श्री सुखवीर सिंह, उप मुख्य इंजीनियर/नि/जिरिबाम
2 मार्च, श्री जे.के. चौधरी, उप मुख्य इंजीनियर/नि/सर्वे
6 मार्च, श्री ए.के. दास, उप मुख्य इंजीनियर/नि/सिलचर-4
6 मार्च, श्री जगन्नाथ, उप महाप्रबंधक (राजभाषा)/निर्माण
15 मार्च, श्री गुरदयाल सिंह, मुख्य सिगनल एवं दूर संचार इंजीनियर/नि/2

अधिकारियों को विवाह वर्षगांठ पर हार्दिक बधाई

07 फरवरी, श्री के. सिंगसन, उ.मु.सिगनल एवं दूर संचार इंजीनियर/नि-टेली
10 फरवरी, श्री एच.सी. सेनापति, उप मुख्य इंजीनियर/नि/चक्रर्स
15 फरवरी, श्री एस. प्रभु, उप मुख्य इंजीनियर/नि/कटिहार
20 फरवरी, श्री ए. प्रधान, उप मुख्य इंजीनियर/नि/निविदा
22 फरवरी, श्री सुनील सिंह, महाप्रबंधक (नि) के सचिव
22 फरवरी, श्री शिव कुमार, महाप्रबंधक/नि
26 फरवरी, श्री एस. प्रसाद, उप मुख्य इंजीनियर/नि/अगरतला
27 मार्च, श्री गुरदयाल सिंह, मु.सिगनल एवं दूर संचार इंजी./नि/2

नव निर्मित कामाख्या स्टेशन